अनुक्रमांक .... नाम ....

अर्द्ध वार्षिक परीक्षा 2024–25

विषय : हिन्दी

कक्षा – दशम

समय : 3:15 घण्टे पूर्णांक : 70

सामान्य निर्देश :

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. यह प्रश्न पत्र दो खण्डों खण्ड–अ तथा खण्ड–ब में विभक्त है ।

खण्ड–अ

बहुविकल्पीय प्रश्न (वस्तुनिष्ठ) प्रश्न

प्र.1 'पुरस्कार' कहानी किस युग की रचना है ? 1

क. शुक्लोत्तर युग   ख. भारतेन्दु युग

ग. छायावादी युग   घ. इनमें से कोई नहीं

प्र.2 भूले बिसरे चित्र – उपन्यास के लेखक का नाम लिखिए । 1

क. भगवती चरण वर्मा   ख. यशपाल

ग. उपेन्द्रनाथ अश्क   घ. जैनेन्द्र कुमार

प्र.3 त्यागपत्र के रचनाकार का नाम लिखिए – 1

क. यशपाल   ख. जैनेन्द्र कुमार

ग. राजेन्द्र यादव   घ. इनमें से कोई नहीं

प्र.4 कविप्रिया किस काल की रचना है – 1

क. भक्तिकाल   ख. आधुनिक काल

ग. रीतिकाल   घ. आदिकाल

प्र.5 रीतिसिद्ध काव्य धारा के कवि हैं – 1

क. केशवदास   ख. घनानन्द

ग. बिहारीलाल   घ. देव

प्र.6 आधुनिक काल का अन्य नाम है – 1

क. पद्य काल   ख. गद्यकाल

ग. लक्षण काल   घ. इनमें से कोई नहीं

प्र.7 इनमें से छायावाद के स्तम्भ कवि नहीं है – 1

क. प्रसाद जी   ख. पन्त जी

ग. मुक्तिबोध जी   घ. निराला जी

modelpaper.info

प्र.8. साम्यवाद पर आधारित युग का नाम लिखिए – 1

क. भारतेन्दु युग
ख. द्विवेदी युग
ग. प्रगतिवादी युग
घ. प्रयोग वादी युग

प्र.9 दूसरा तार सप्तक कब प्रकाशित हुआ – 1

क. 1943 ई.
ख. 1951 ई.
ग. 1959 ई.
घ. 1979 ई.

प्र.10 खेलत मनसिज मीन जुग जनु विधु मंडल डोल – जनु पद किस अलंकार का वाचक है– 1

क. उपमा
ख. उत्प्रेक्षा
ग. रूपक
घ. इनमें से कोई नहीं

प्र.11 वीर रस का स्थायी भाव है – 1

क. रति
ख. उत्साह
ग. निर्वेद
घ. शोक

प्र.12 जिस छन्द के चारों चरणों की मात्रा समान होती है उसे कहते हैं – 1

क. विषम छन्द
ख. समछन्द
ग. अर्द्धसम
घ. इनमें से कोई नहीं

प्र.13 अनाम में उपसर्ग है – 1

क. अन
ख. अ
ग. अन्
घ. इनमें से कोई नहीं

प्र.14 जिस समस्त पद में दोनों पद प्रधान (मुख्य) होते हैं उसे कहते हैं – 1

क. कर्मधारय समास
ख. बहुव्रीहि समास
ग. तत्पुरुष
घ. द्वन्द्व समास

प्र.15 कपड़ा पद का तत्सम पद है – 1

क. वस्त्र
ख. कर्पट
ग. दूकूल
घ. वसन

प्र.16 गरूणध्वज, जनार्दन, अच्युत किसके पर्यायवाची हैं – 1

क. नारायण जी
ख. शंकर जी
ग. गणेश जी
घ. बह्माजी

प्र.17 युष्माकम् सर्वनाम पद में विभक्ति वचन है – 1

क. सप्तमी बहुवचन
ख. षष्ठी बहुवचन
ग. षष्ठी द्विवचन
घ. सप्तमी द्विवचन

प्र.18 मेरे द्वारा लिखा जा रहा है – वाक्य है । 1

क. कर्तृवाच्य
ख. भाववाच्य
ग. कर्मवाच्य
घ. इनमें से कोई नहीं

modelpaper.info

प्र.19 निम्नलिखित में से अविकारी पद है – 1

क. राम ख. वह

ग. अयोध्या घ. वहाँ

प्र.20 जिस वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य और अन्य आश्रित उपवाक्य हो उसे कहते हैं– 1

क. मिश्रवाक्य ख. सरलवाक्य

ग. संयुक्त वाक्य घ. इनमें से कोई नहीं

खण्ड – ब

वर्णनात्मक प्रश्न

प्र.1 निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए–3x2=6

रोहतास दुर्ग के प्रकोष्ठ में बैठी हुई ममता, शोण के तीक्ष्ण प्रवाह को देख रही थी ममता विधवा थी। उसका यौवन शोण के समान ही उमड रहा था। मन में वेदना, मस्तक में आँधी, आंखों में पानी बरसात लिए, वह कंटक शयन में विकल थी। वह रोहतास दुर्गपति के मंत्री चूड़ामणि की अकेली दुहिता थी फिर उसके लिए कुछ अभाव होना असम्भव था, परन्तु वह विधवा थी–हिन्दू विधवा संसार में सबसे तुच्छ निराश्रय प्राणी है तब उसकी विडम्बना का कहाँ अन्त था ?

क. उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ख. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

ग. ममता कौन थी उसकी क्या स्थिति थी ?

अथवा

अहिंसा का दूसरा नाम या दूसरा रूप त्याग है और हिंसा का दूसरा रूप या दूसरा नाम स्वार्थ है, जो प्रायः भोग, के रूप में हमारे सामने आता है। पर हमारी सभ्यता ने तो भोग भी त्याग से निकाला है और भोग भी त्याग में ही पाया जाता है, श्रुति कहती है– तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः। इसी के द्वारा हम व्यक्ति–व्यक्ति के बीच का विरोध, व्यक्ति और समाज के बीच का विरोध, समाज और समाज, के बीच का विरोध, देश और देश के बीच के विरोध को मिटाना चाहते हैं हमारी सारी नैतिक चेतना इसी तत्व से ओत–प्रोत है ।

क. प्रस्तुत गद्यांश के शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए ।

ख. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

ग. हमारे नैतिक सिद्धान्तों में किस चीज को प्रमुख स्थान दिया गया है ।

प्र.2 निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए–3x2=6

उधौ मन न भए दस बीस।

modelpaper.info

एक हुतौ सौ गयौ स्याम सँग को अवराधै ईस ।।
इंदी सिथिल भई केसव बिनु, ज्यौ देही बिनु सीस ।
आशा लागि रहति तन स्वासा, जीवहिं कोटि वरीस ।।
तुम तौ सखा स्याम सुन्दर के, सकल जोग के ईस
सूर हमारै नन्द नदंन बिनु, और नहीं जगदीस ।।

क. उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ख. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

ग. इंदी सिथिल भई केसव बिनु, ज्यौ देही विनु सीस ।
इस वाक्य में प्रयुक्त अलंकारों का नाम लिखिए ।

अथवा

निर्भय स्वागत करो मृत्यु का, मृत्यु एक है विश्राम–स्थल।
जीव जहां से फिर चलता है, धारण कर नव जीवन–सम्बल।।
मृत्यु एक सरिता है, जिसमें, श्रम से कातर जीव नहाकर ।
फिर नूतन धारण करता है, काया–रूपी वस्त्र बहाकर ।।

क. प्रस्तुत पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ख. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

ग. रेखांकित अंश में प्रयुक्त अलंकारों का नाम लिखिए ।

प्र.3 निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए–2+3=5

इयम् नगरी विविध धर्माणाम् संगम स्थली। महात्मा बुद्धः तीर्थङ्करः पार्श्वनाथः शंकराचार्यः कबीरः गोस्वामी तुलसीदासः अन्ये च बहवः महात्मानः अत्रागत्य स्वीयान विचारान् प्रासारयन् । न केवल दर्शने साहित्ये, धर्मे अपितु कला क्षेत्रेऽपि इयं नगरी विविधानां कलानाम् शिल्पानां च कृते लोके विश्रुता ।

अथवा

एकदा बहवः जनाः धूम्रयानम् (रेल) आरूह्य नगरं प्रति गच्छन्ति स्म। तेषु केचित् नागरिकाः केचिच्च ग्रामीणाः आसन्। मौनं स्थितेषु तेषु एकः नागरिकः ग्रामीणान् उपहसन् अकथयत् "ग्रामीणाः अद्यापि पूर्ववत् अशिक्षिताः अज्ञाश्च सन्ति। न तेषां विकासः अभवत् न च भवितुं शक्नोति। तस्य तादृशं जल्पनं श्रुत्वा कोऽपि चतुरः ग्रामीणः अब्रवीत् "भद्र नागरिक ! भवान् एवं किञ्चित ब्रवीतु यतो हि भवान शिक्षितः बहुज्ञः च अस्ति।"

प्र.4 दिये गये संस्कृत पद्यांश (श्लोक) का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अर्थ लिखिए–

2+3 = 5

modelpaper.info

मंगलं मरणं यत्र विभूतिश्च विभूषणम् ।
कौपीनं यत्र कौशेयं सा काशी केन मीयते।।

अथवा

कोकिल ! यापय दिवसान् तावत् विरसान् करील विटपेषु।
यावत् मिलद्‌लिमालः कोऽपि रसालः समुल्लसति।।

.5 अपने पठित खण्ड काव्य के आधार पर दिये गये प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। 1x3=3

क. 1. मुक्ति दूत खण्ड काव्य के आधार पर अंग्रेजी शासन के बर्बर अत्याचारों के विरोध में महात्मा गांधी द्वारा किये गये जन आन्दोलनों का वर्णन कीजिए।

2. मुक्तिदूत खण्ड काव्य के आधार पर किसी सर्ग का सारांश लिखिए।

ख. 1. मेवाड़ मुकुट खण्ड काव्य के आधार भामाशाह या रानी लक्ष्मी का चरित्र–चित्रण कीजिए।

2. मेवाड़ मुकुट खण्ड काव्य के आधार पर द्वितीय सर्ग की कथा वस्तु संक्षेप में लिखिए ।

ग. 1. ज्योति जवाहर खण्डकाव्य की कथा वस्तु संक्षेप में लिखिए ।

2. ज्योति जवाहर खण्ड काव्य के कवि ने सम्राट अशोक के किन–किन गुणों का वर्णन किया है ?

घ. 1. अग्रपूजा खण्ड काव्य के आयोजन सर्ग का कथानक (सारांश) अपने शब्दों में लिखिए ।

2. अग्रपूजा खण्ड काव्य काव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र चित्रण कीजिए ।

ङ. 1. जय सुभाष खण्ड काव्य में वर्णित आजाद हिन्द सेना के गठन की घटना का वर्णन कीजिए ।

2. जय सुभाष खण्ड काव्य के आधार पर नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

च. 1. कर्ण खण्ड काव्य के पंचम सर्ग का सारांश लिखिए।

2. कर्ण खण्ड काव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।

छ. 1. कर्मवीर भरत खण्ड काव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

2. कर्मवीर भरत खण्ड काव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।

ज. 1. तुमुल खण्ड काव्य के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

2. तुमुल खण्ड काव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

modelpaper.info

प्र.6 क. दिये गये लेखकों में से किसी एक लेखक जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए। 3+2 = 5

क. जयशंकर प्रसाद ख. आचार्य राम चन्द्र शुक्ल

ग. डा. राजेन्द्र प्रसाद

ख. निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए। 3+2 = 5

क. बिहारी लाल ख. गोस्वामी तुलसीदास

ग. महाकवि सूरदास

प्र.7 अपनी पाठ्य पुस्तक में से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो। 2

प्र.8 अपने ग्राम या मुहल्ले की नालियों की समुचित स्वच्छता के लिए ग्राम प्रधान या नगर पालिका अध्यक्ष को पत्र लिखिए । 4

अथवा

बड़े भाई की शादी में सम्मिलित होने के लिए तीन दिन के लिए अवकाश हेतु प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र लिखिए ।

modelpaper.info

प्र.9 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा में लिखिए। 1+1 = 2

क. कुत्र मरणं मङ्गलं भवति ? ख. कवि चातकं किम् उपदिशति ?

ग. पुरुराजः कः आसीत् ? घ. ज्ञानं कुत्र सम्भवति ?

ङ. दुर्मुखः कः आसीत् ?

प्र.10 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए – 1x7=7

क. भ्रष्टाचार और उसे रोकने के उपाय (साधन)

ख. नारी शिक्षा का महत्व

ग. सत्संगति का महत्व

घ. श्रम ही सफलता की कुंजी है

ङ. भारतीय किसान का जीवन